उत्तर प्रदेश के चार परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर अंडमान निकोबार के द्वीप

चर्चा में क्यों?

23 जनवरी, 2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती (पराक्रम दिवस) के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में सबसे बड़े सैन्य अलंकरण परमवीर चक्र के 21 विजेताओं के नाम पर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के 21 बड़े अज्ञात द्वीपों का नामकरण किया। इस सूची में उत्तर प्रदेश के चार परमवीम चक्र विजेता शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश के चार परमवीर चक्र विजेताओं में से तीन- कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार वीर अब्दुल हमीद, नायक जदुनाथ सिंह, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय को मरणोपरांत और मानद कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव को जीवित रहते ही परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया है।
- उत्तर प्रदेश के गाजीपुर ज़िले के धरमपुर गाँव में जन्में वीर अब्दुल हमीद 27 दिसंबर, 1954 को 21 वर्ष की आयु में ग्रेनेडियर्स इंफैंट्री रेजीमेंट में भर्ती हुए थे। पाकिस्तान के साथ लड़ाई में उन्होंने अपनी तोपयुक्त जीप से पाकिस्तान के तीन पैंटन टैंक ध्वस्त किये थे। प्रतिक्रियास्वरूप पाकिस्तानी सेना ने उन पर एक साथ हमला बोला था। इसी हमले में वह शहीद हो गए थे। भारत-पाकिस्तान युद्ध में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए उन्हें 10 सितंबर, 1965 को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।
- लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे का जन्म सीतापुर ज़िले के रूधा गाँव में 25 जून, 1975 को हुआ था। वह एनडीए से भारतीय सेना में चुने गए। उन्हें 11 गोरखा राइफल्स रेजीमेंट की पहली बटालियन में बतौर कमीशंड ऑफिसर शामिल किया गया था। 1999 के कारगिल युद्ध में उन्होंने दुश्मन के बंकरों को ध्वस्त किया था। इसी दौरान सिर में गोली लगने के कारण मात्र 24 वर्ष की आयु में वह शहीद हो गए थे। 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान उनके साहस और नेतृत्व के लिये मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।
- उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले की कलान तहसील के गाँव खजुरी के निवासी जदुनाथ सिंह को 1941 में ब्रिटिश भारतीय सेना में शामिल किया गया था। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में बर्मा में जापान के खिलाफ लड़ाई में भाग लिया। भारतीय सेना की राजपूत रेजीमेंट में रहते हुए उन्होंने 1947 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में भाग लिया। 6 फरवरी 1948 को जम्मू-कश्मीर के नौशेरा सेक्टर में जदुनाथ सिंह ने अकेले ही कबाइली भेष में आए पाकिस्तानी सेना के सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। इसी लड़ाई के बीच एक गोली उनके सिर में आकर लगी थी, जिससे वह वीरगति को प्राप्त हुए थे। नायक जदुनाथ सिंह को भी मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।
- मानद कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव का जन्म 10 मई, 1980 को बुलंदशहर के औरंगाबाद गाँव में हुआ था। 1996 में 16 साल की आयु में वह 18 ग्रेनेडिएर्स में भर्ती हुए थे। 1999 में कारगिल युद्ध में टाइगर हिल पर कब्जा करने में उन्होंने अदम्य साहस और पराक्रम का प्रदर्शन किया था। कैप्टन योगेंद्र यादव ने कई गोलियाँ लगने के बावजूद घायल हालत में टाइगर हिल की तीन चौकियों पर कब्जा किया था और वहां तिरंगा लहराया था। इस संघर्षपूर्ण मिशन को पूरा करने वाले योगेंद्र यादव को मात्र 19 साल की उम्र में भारतीय सेना के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र सम्मान दिया गया था।
- उल्लेखनीय है कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ऐतिहासिक महत्त्व को ध्यान में रखते हुए तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति को सम्मान प्रदान करने के लिये वर्ष 2018 में अंडमान निकोबार द्वीप समूह की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने रॉस द्वीप समूह का नाम बदलकर 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप' रख दिया था। नील द्वीप और हैवलॉक द्वीप का नाम बदलकर 'शहीद द्वीप' और 'स्वराज द्वीप' कर दिया गया था।
- देश के वास्तविक जीवन के नायकों को उचित सम्मान देने के उद्देश्य से इस द्वीप समूह के 21 बड़े अज्ञात द्वीपों का नामकरण 21 परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर करने का निर्णय लिया गया है।
- इन द्वीपों का नाम जिन 21 परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखा वे हैं - मेजर सोमनाथ शर्मा; सूबेदार और मानद कैप्टन (तत्कालीन लांस नायक) करम सिंह, एम.एम; सेकेंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे; नायक जदुनाथ सिंह; कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह; कैप्टन जीएस सलारिया; लेफ्टिनेंट कर्नल (तत्कालीन मेजर) धन सिंह थापा; सूबेदार जोगिंदर सिंह; मेजर शैतान सिंह; सीक्यूएमएच अब्दुल हमीद; लेफ्टिनेंट कर्नल अर्देशिर बुर्जोरजी तारापोर; लांस नायक अल्बर्ट एक्का; मेजर होशियार सिंह; सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल; फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों; मेजर रामास्वामी परमेश्वरन; नायब सूबेदार बाना सिंह; कैप्टन विक्रम बत्रा; लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे; सूबेदार मेजर (तत्कालीन राइफलमैन) संजय कुमार; और सूबेदार मेजर सेवानिवृत्त (मानद कैप्टन) ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/islands-of-andaman-and-nicobar-named-after-four-param-vir-chakra-winners-of-uttar-pradesh